

क्र० / डी०एम० / 500

जबलपुर दिनांक 21-01-21

प्रति,

परियोजना प्रबंधक,
परियोजना किसानव्ययन इकाई,
म०प्र० अर्बन डेव्लपमेन्ट कम्पनी लिमिटेड,
737 अग्रवाल कॉलोनी जबलपुर म०प्र०

विषय :- जबलपुर जिले में मध्यप्रदेश शहरी सेवा उन्नयन कार्यक्रम के तहत समूह जल प्रदाय योजना के अन्तर्गत पाईप लाईन बिछाने हेतु 0.24 हे० वन भूमि म०प्र० अर्बन डेव्लपमेन्ट कम्पनी लिमिटेड जबलपुर का उपयोग पर देने बाबत। (प्रकरण क्रमांक FP/MP/OFC/38908/2019)

संदर्भ :- अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंध), रातपुड़ा भवन भोपाल म०प्र० का पत्र क्रमांक/एफ-5/987/2021/10-11/293 दिनांक 19/01/2021.

—00—

विषयान्तर्गत लेख है कि वन परिक्षेत्र सिहोरा के अन्तर्गत बीट मझौली कक्ष क्रमांक ओ-395(नया) ओ-390(पुराना) में 0.24 हे० क्षेत्र में कटौती से मझौली मार्ग के किनारे भूमिगत पाईप लाईन डाली जाना है। जिसमें निम्नानुसार 0.24 हे० वनभूमि प्रस्तावित की गई है :-

परिक्षेत्र	कक्ष क्रमांक	लंबाई	चौड़ाई मी.	प्रभावित वन भूमि हे. में
जबलपुर	O-395(New) O-390(Old)	1915	1.25	0.24 हे०

वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत आवेदक संस्था को अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंध) रातपुड़ा भवन के पत्र क्रमांक/एफ-11/2017/10-11/2586 दिनांक 01/09/2017, पत्र क्र. /एफ-5/2018/10-11/4071 दिनांक 31/12/2018 एवं पत्र क्रमांक/एफ-5/987/2021/10-11/293 दिनांक 19/01/2021 के द्वारा जारी निर्देश के अन्तर्गत संदर्भित पत्र से प्राप्त अनुमोदन अनुसार निम्नानुसार शर्त के अन्तर्गत सौद्धान्तिक स्वीकृति प्रदत्त की जाती है :-

1. वन भूमि का वैधानिक स्वरूप अपरिवर्तित रहेगा।
2. वन भूमि व्यपवर्तन हेतु स्वीकृत पाईप लाईन, वर्तमान में उपलब्ध मार्ग के किनारे राईट ऑफ वे के तहत की जावेगी। राईट ऑफ वे का तात्पर्य मार्ग के किनारे-किनारे मार्ग सीमा के अन्दर आने वाले क्षेत्र से है।
3. वन भूमि पर पाईप लाईन बिछाने के लिए खोदी जाने वाली खन्ती का आकार 01 मीटर से ज्यादा चौड़ी एवं 02 मीटर से ज्यादा गहरी न हो।
4. आवेदक संस्थान द्वारा नेट प्रेजेन्ट वैल्यू की राशि 1,25,200/- रुपये ऑन लाईन ई-पोर्टल के माध्यम से जमा की जावे।

कक्ष क्रमांक	रकवा हे० में	वन की ईको श्रेणी	वन का घनत्व	नेट प्रेजेन्ट वैल्यू प्रति हे० (लाख में)	एन.पी.व्ही. जमा की जाने वाली राशि
O-395(New) O-390(Old)	0.24	Eco -III	0.2	6.26	1,25,200/-

5. वन भूमि का उपयोग प्रस्तावित कार्य को छोड़कर अन्य किसी कार्य के लिए नहीं किया जायेगा। रखरखाव की अनुमति वन मण्डलाधिकारी से प्राप्त की जावेगी।
6. समतलीकरण का कार्य आवेदक /आवेदक संस्थान के द्वारा स्वयं के व्यय पर खोदी गयी खन्ती से निकाली गयी मिट्टी से किया जायेगा।
7. समतलीकरण के कार्य हेतु यदि मिट्टी /पत्थर की आवश्यकता हो तो वन क्षेत्र में उत्खनन नहीं किया जायेगा।